दैनिक भास्कर

26-Jan-2019
जमशेदपुर Page 19

जनवरी, 2019 | 3

हाथियों द्वारा किए जा रहे नुकसान से चिंतित है सरकार

हाथी-मनुष्य का संघर्ष कम करने को बन रहा पेड़ों का पर्दा

दलमा क्षेत्र में ग्रामीणों के सहयोग से लगाए गए हैं एक लाख पौधे

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

दलमा के हाथियों का रिहायशी इलाके में प्रवेश बढ़ गया है। आए दिन हाथी और ग्रामीणों के बीच संघर्ष की घटनाएं हो रही हैं। हाथी लोगों के घर व फसलों को बर्बाद कर रहे हैं। इस टकराव को रोकने के लिए ग्रामीण, गैर सरकारी संगठन और सरकार तीनों स्तर पर तेजी से काम शुरू किया गया है।

वन विभाग इसके लिए जीआईएस (जीयो इंफॉर्मेशन सिस्टम) एक्सपर्ट नियुक्ति कर रहा है। यह एक्सपर्ट हाथियों के रिहायशी इलाके में प्रवेश रोकने के लिए जरूरी सुझाव विभाग को देगा। इसके अलावा जीपीएस सिस्टम के जरिए हाथियों के झुंड पर नजर रखी जाएगी। हाथियों से लोगों का संघर्ष को रोकने के लिए ग्रो ट्री कॉम भी अभियान चला रहा है। इसके लिए उन गांवों में जहां हाथियों का प्रवेश ज्यादा होता है, वहां बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया जा रहा है। संगठन के सीईओ विक्रांत तिवारी कहते हैं- पिछले कुछ सालों से आम लोगों व हाथियों में टकराव काफी बढ़ा है। इसको देखते कॉरिडोर के आसपास पेड़ लगाए जा रहे हैं। अब तक एक लाख पेड़ लगाए जा चुके हैं, आने वाले दिनों में इनकी संख्या बढ़ाई जाएगी। इन पेड़ों को लगाने और संरक्षित करने का जिम्मा स्थानीय ग्रामीणों को ही दिया गया है जिसके जरिये उन्होंने रोजगार मिल रहा है। यहां तेजी से बढ़ने वाले पौधे लगाए जिससे फल-सब्जी भी मिलेगी जिसका ग्रामीण निःशुल्क उपयोग कर सकेंगे। कॉरिडोर के दोनों तरफ पेड़ होने से हाथियों को खाने की दिक्कत नहीं होगी, आबादी क्षेत्र पेड़ों की ओट में होने से इनका मूवमेंट भी वहां रुकेगा। पेड़ लगाने से हाथियों व रिहायशी इलाके के बीच एक दीवार का काम करेगा। पेड़ लगाए जाने से हाथियों को अपने ही क्षेत्र में खाना मिल सकेगा वे रिहायशी इलाके की ओर नहीं जाएंगे। लोगों के जन्मदिन व अन्य खुशी के मौके पर संस्था से आम लोग और कंपनियां को यहां उनके नाम का पेड़ लगाती है या आवंटित कर देती है। यह पेड़ कहां है, इसकी जानकारी जीपीएस के माध्यम से मोबाइल और कम्प्यूटर पर ही देखा जा सकता है। संस्था ने यहां महुआ, आम,जामुन,नींबू, बांस के पौधे लगाए हैं।

हाथियों के मूवमेन्ट की होगी डाटा इंट्री

वन विभाग ने हाथियों व लोगों के बीच बढ़ रहे संघर्ष को रोकने के लिए जीआईएस एक्सपर्ट की तैनाती करेगा। बहाली की प्रक्रिया चल रही है। दलमा व आसपास के इलाके में हाथियों पर नजर रखने के साथ उनके मूवमेन्ट की डाटा इंट्री कर संघर्ष को रोकने का कदम उठाएंगे।

संघर्ष टालने के लिए वन विभाग ने ये कदम भी उठाए

- **रेडियो में हाथियों के मूवमेन्ट की सूचना** वन विभाग रेडियो के माध्यम से हर दिन हाथियों के मूवमेन्ट की सूचना प्रसारित कर रहा है। इसमें ये बताया जाता है कि हाथी अभी कहां है और किन गांवों के लोग सतर्क रहें।
- **वाट्सएप ग्रुप से सूचनाः** वन विभाग के वाट्सएप ग्रुप में हाथियों के मूवमेन्ट और लोकेशन की जानकारी समय समय पर दी जाएगी।
- **हाथी मेरा साथी अभियानः** इस अभियान के माध्यम से लोगों को हाथी से बचने के तरीके और उन्हें उग्र नहीं करने के तरीके बताए जाते हैं।
- **जीपीएस सिस्टमः** वन विभाग जीपीएस सिस्टम से हाथियों के मूवमेन्ट पर नजर रखेगा

जीआईएस एक्सपर्ट को किया जा रहा नियुक्त

हाथी और मानव के बीच हो रहे संघर्ष को कम करने के लिए जीआईएस एक्सपर्ट की नियुक्ति किया जा रहा है। हाथियों पर निगरानी रखने व रिहायशी इलाके में प्रवेश को रोकने के लिए चल रहे रिसर्च के काम में इनका सहयोग लिया जाएगा। इससे हाथी व मानव के बीच टकराव रोकने में मदद मिलेगी। **चंद्रमौली सिन्हा,** उप निदेशक, गज परियोजना, झारखंड।